कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों को राहत नहीं

हाईकोर्ट ने आरोप तय करने के खिलाफ दायर अपील को खारिज किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड में आरोपियों की ओर से पेश अपील को खारिज कर दिया है। सीजे संजय के. अग्रवाल और जस्टिस समीर जैन की खंडपीठ ने यह आदेश मोहम्मद रियाज अत्तारी और मोहम्मद गौस सहित आधा दर्जन अन्य आरोपियों की अपीलों पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में आरोपियों ने एनआईए कोर्ट की ओर से उनके खिलाफ विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में आरोप तय करने को चुनौती दी थी। खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि अदालत को अपीलार्थियों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई ठोस कारण नहीं मिला है। इस स्तर पर अदालत को यह पता लगाना है कि क्या अभियोजन सामग्री आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला बनाती है, न कि उनके अपराध करने या निर्दोषता को निर्धारित करने के लिए साक्ष्य की सूक्ष्म जांच करनी है।

अपीलों में कहा गया कि ट्रायल कोर्ट ने उनके खिलाफ रिकॉर्ड पर मौजूद साक्ष्य का उचित मूल्यांकन किए बिना उन पर विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 16, 18 और धारा 20 के तहत आरोप तय किए हैं। कन्हैयालाल की ओर से एक टीवी शो के दौरान नुपुर शर्मा की ओर से पैगंबर साहब के खिलाफ की गई कुछ टिप्पणियों को फॉरवर्ड करने के कारण कथित घटना हुई थी। मृतक का कथित कृत्य उकसाने वाला था। ऐसे में अपीलार्थियों के खिलाफ यूएपीए का अपराध नहीं बनता।

आरोपियों की ओर से यह भी कहा गया कि बरामद वीडियो में ऐसा कोई भी शब्द या सामग्री नहीं है, जिसे किसी भी तरह से सार्वजनिक शांति को बिगाड़ने या क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डालने के रूप में देखा जाए। इसके अलावा ऐसा कोई साक्ष्य भी नहीं है जिससे यह संकेत मिलते हो कि अपीलार्थी किसी गैर कानूनी संगठन के सदस्य हो। इसलिए विशेष न्यायालय की ओर से उनके खिलाफ मशीनी अंदाज में किए गए आरोप तय के आदेश को रद्द किया जाए। जिसका विरोध करते हुए एएसजी राजा ठाकरे ने कहा कि धारा 18 के तहत आपराधिक षड्यंत्र व्यापक दायरे वाला है। इसमें वास्तविक कृत्य के साथ ही षड्यंत्र, उकसावा, प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान करना भी शामिल है। इस धारा के अपराध के लिए वास्तविक आतंकी कृत्य का पूरा होना जरूरी नहीं है, बल्कि घटना से पहले की परिस्थिति षड्यंत्र को निर्धारित करने का महत्व ले सकती है। इसके अलावा बरामद वीडियो को मुकदमे की ट्रायल के दौरान परीक्षण किया जाएगा। किसी विशेष बात के नहीं होने को अपने आप में अपराध की अनुस्थिति का प्रमाण नहीं माना जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाओं को खारिज कर दिया है। गौरतलब है कि 28 जून, 2022 को कन्हैयालाल की हत्या कर उसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। मामले में एनआईए कोर्ट में आरोपियों के खिलाफ यूएपीए एक्ट के साथ ही आईपीसी की विभिन्न धाराओं में आरोप तय किए थे।

जयपुर पुलिस ने लौटाए 10 लाख रुपए के 40 गुमशुदा मोबाइल

जयपुर। दीपावली के अवसर पर जयपुर कमिश्नरेट की साइबर थाना पुलिस ने विशेष अभियान 'ऑपरेशन रिकवरी' के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए गुमशुदा और चोरी हुए 40 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने सभी मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को सुपुर्द कर दिए।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (अपराध) रामेश्वर सिंह और पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल के निर्देशन में साइबर थानाधिकारी हेमराज के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और सीईआईआर (सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर) पोर्टल की मदद से राजस्थान सहित अन्य राज्यों में उपयोग किए जा रहे मोबाइल फोन को ट्रेस किया। वर्ष 2025-26 सहित पिछले एक-दो वर्षों में गुम हुए मोबाइलों की तलाश कर उन्हें बरामद किया गया।

पुलिस उपायुक्त (अपराध) योगेश गोयल ने बताया कि बरामद मोबाइल बुजुर्गों, महिलाओं, मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों और सरकारी व निजी कर्मचारियों के थे। इनमें कई ऐसे लोग भी शामिल थे, जिन्होंने बडी मुश्किल से किस्तों पर मोबाइल खरीदे थे। फोन वापस मिलने पर लोगों ने जयपुर पुलिस का आभार जताया। इससे पहले साइबर थाना पुलिस 'ऑपरेशन मुस्कान-मोबाइल अभियान' के तहत 70 मोबाइल फोन, जिनकी कीमत करीब 20 लाख रुपए थी, बरामद कर मालिकों को लौटा चुकी है।मोबाइल बरामदगी में सहायक उपनिरीक्षक ओमप्रकाश, हेड कांस्टेबल अमरेश यादव, कांस्टेबल सुरेश कुमार, भूपसिंह, रविन्द्र कुमार और दिनेश कुमार शामिल रहे। इनमें कांस्टेबल रविन्द्र कुमार और दिनेश कुमार की विशेष भूमिका रही।

मुख्यमंत्री ने स्ट्रीट वैंडर्स से की दीपावली की खरीददारी



जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार शाम को धनतेरस पर मानसरोवर के बड़ा बाजार में सपरिवार दीपावली पर्व की खरीददारी की। उन्होंने स्ट्रीट वैंडर्स से मिट्टी के दीये, पूजन सामग्री, रंगोली, बंदनवार आदि खरीदे तथा यूपीआई से भुगतान कर डिजिटल पेमेंट और "वोकल फॉर लोकल" को बढ़ावा देने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने खरीददारी के दौरान स्थानीय आमजन, छोटे विक्रेताओं और व्यापारियों को धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाईदूज की बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री को अपने बीच खरीददारी करते देखकर स्ट्रीट वैंडर्स एवं आमजन ने खुशी व्यक्त की। इससे पहले किरण पथ स्थित बड़ा बाजार पहुंचने पर स्थानीय व्यापार मंडल ने मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

एलआईसी ने बीते 6 माह में 25568 करोड़ रुपए कमाए

भारतीय जीवन बीमा निगम का मुनाफा गत छमाही में 21.52 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई (कासं)। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में शानदार वित्तीय प्रदर्शन किया है। गत 30 सितंबर 2026 को समाप्त छह माह में निगम का कर पश्चात लाभ 21.52 प्रतिशत बढ़कर 25 हजार 568 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 21,040 करोड़ था। एलआईसी के निदेशक मंडल ने छमाही के एकल एवं समेकित वित्तीय परिणामों को मंजूरी दे दी है।

इस अवधि में निगम की कुल प्रीमियम आय 11.64 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख 74 हजार 269 करोड़ रुपए रही। व्यक्तिगत नए कारोबार की प्रीमियम आय 14.86 प्रतिशत बढ़कर 32,725 करोड़ और समूह नए कारोबार की प्रीमियम आय 20.63 प्रतिशत बढ़कर 1 लाख 11 हजार 685 करोड़ हो गई है। व्यक्तिगत नवीनीकरण प्रीमियम आय भी 4.68 प्रतिशत बढ़कर 1 लाख 27 हजार 950 करोड़ रही। नए कारोबार का मूल्य 33.95 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6846 करोड़ रुपए पर पहुंचा। शुद्ध नए कारोबार के लाभ मार्जिन में 470 आधार अंकों का सुधार हुआ और यह 17.6 प्रतिशत से बढ़कर 22.3 प्रतिशत हो गया। वार्षिकी प्रीमियम समतुल्य में 5.72 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 30,696 करोड़ रहा। एलआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक आर. दुरैस्वामी ने कहा कि भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) की ओर से प्रस्तावित कमीशन विनियमों में किए गए बदलाव बीमा उद्योग के विकास को गति देंगे और ग्राहकों के हित में साबित होंगे। उन्होंने बताया कि एलआईसी उत्पादों और वितरण माध्यमों में विविधता लाने की रणनीति पर काम कर रही है।

> ■ नए कारोबार का मूल्य 33.95 प्रतिशत बढ़कर 6846 करोड़ पहुंचा

पहली छमाही में व्यक्तिगत नए कारोबार के प्रीमियम में बैंक बीमा एवं वैकल्पिक माध्यमों की हिस्सेदारी बढ़कर 7.53 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 7.12 प्रतिशत थी। निगम का लक्ष्य कारोबार की लाभप्रदता बढ़ाने के साथ लागत को भी अनुकूलतम स्तर पर लाना है।

पुराने वाणिज्यिक वाहन हटाने पर 10 साल तक टैक्स माफ

ई-वाहन खरीदने पर 2.56 लाख तक की सहायता देगी सरकार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । एनसीआर में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और सुरक्षित परिवहन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पुराने वाणिज्यिक वाहनों की जगह आधुनिक एवं पर्यावरण अनुकूल वाहन खरीदने पर विशेष प्रोत्साहन दे रही है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में परिवर्तन स्कीम और एनसीआर जिलों की वायु गुणवत्ता की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को योजना का लाभ पात्र वाहन स्वामियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए।मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड और भरतपुर-डीग के जिला कलेक्टरों से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) की जानकारी लेकर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के निर्देशों की पूरी पालना सुनिश्चित करने को कहा।

10 साल तक मोटर वाहन कर में शत-प्रतिशत छूट

परिवर्तन स्कीम के तहत एनसीआर में पंजीकृत बीएस-4 या पुराने ट्रक और बस को अधिकृत वाहन कबाड़ केंद्र में जमा कराने अथवा बीएस-4 वाहन एनसीआर से बाहर बेचकर नया वाहन खरीदने पर मोटर वाहन कर में 10 साल तक 100 प्रतिशत छूट और पंजीकरण शुल्क माफ होगा। एक साल से अधिक की लंबित देनदारियां भी माफ होंगी।

दीपावली पर जयपुर में 4500 पुलिसकर्मी संभालेंगे सुरक्षा का मोर्चा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दीपोत्सव के स्वागत के लिए गुलाबी नगरी तैयार है। बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। आगामी दिनों में परकोटे में रोशनी और सजावट देखने के लिए जयपुरवासियों के साथ देशी-विदेशी पर्यटकों की भी आवाजाही बढ़ेगी। इसे देखते हुए पुलिस ने शहर में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं।

धनतेरस से ही शहर के प्रमुख बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की निगरानी बढ़ा दी गई है। सुरक्षा व्यवस्था में करीब 4500 पुलिस अधिकारी और जवान तैनात रहेंगे। ये पांच दिन तक अलग-अलग पारियों में ड्यूटी करेंगे।

जयपुर के अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर (कानून-व्यवस्था) डॉ. अजय सिंह ने बताया कि दीपावली पर भीड़भाड़ वाले इलाकों और बाजारों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इसके लिए 4500 अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। यातायात का दबाव देखते हुए ट्रैफिक पुलिस को भी मजबूत किया गया है। इसके लिए 200 अतिरिक्त पुलिसकर्मियों का जाब्ता तैनात किया गया है, ताकि जाम की समस्या से राहत मिले और यातायात सुचारू रहे।

परकोटे में अलग प्रवेश और निकास व्यवस्था

अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने बताया कि परकोटे में सजावट और रोशनी देखने आने वाले लोगों के लिए प्रवेश और निकास के अलग-अलग रास्ते तय किए गए हैं।

सजावट वाले स्थानों पर नो पार्किंग जोन रहेगा और वाहनों की पार्किंग के लिए अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। प्रमुख बाजारों में नो व्हीकल जोन बनाए गए हैं, ताकि लोग पैदल घूमकर रोशनी और सजावट का आनंद लेने के साथ खरीदारी कर सकें।

परकोटे के बाहर भी वैशाली नगर, मानसरोवर और मालवीय नगर स्थित गौरव टावर जैसे प्रमुख बाजारों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात रहेगा।

संबंधित जिला पुलिस को इसके लिए अलग से बल उपलब्ध कराया गया है। इन क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस के साथ अतिरिक्त पुलिसकर्मी भी सुरक्षा संभालेंगे।

ड्रोन और सीसीटीवी से 24 घंटे निगरानी

शहर में लगे सीसीटीवी कैमरे अभय कमांड कंट्रोल रूम से जुड़े हैं। इनके माध्यम से पुलिस 24 घंटे निगरानी रख रही है। कंट्रोल रूम में तीन पारियों में अधिकारी और कर्मचारी तैनात रहकर शहर के प्रमुख क्षेत्रों पर नजर रखेंगे। भीड़भाड़ वाले इलाकों में ड्रोन से भी नियमित निगरानी की जाएगी। नो पार्किंग जोन और सड़कों पर वाहन खड़े करने वालों पर भी ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखी जाएगी।

'ई-वेस्ट की रिसाइक्लिंग से सोना-चांदी जैसी धातुओं की रिकवरी होगी, आठ संग्रहण वाहन रवाना'

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने साइबर स्वच्छता और वैज्ञानिक निस्तारण पर जोर दिया

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि डिजिटल सुरक्षा और साइबर स्वच्छता आज समय की मांग है। सरकारी और गैरसरकारी संस्थाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाने चाहिए। अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण और रिसाइक्लिंग कर सोना, चांदी सहित अन्य मूल्यवान धातुएं प्राप्त की जा सकती हैं। इससे प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और चक्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।



मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कार्यशाला में आठ ई-वेस्ट संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

मुख्य सचिव ने ब्रिक्स सतत जीवनशैली सप्ताह-2026 के तहत आयोजित राज्य स्तरीय ई-वेस्ट कार्यशाला में आठ ई-वेस्ट संग्रहण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल की अध्यक्ष एवं खान-पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा, पर्यावरण सचिव शैलजा देवल और मंडल के सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल मौजूद रहे। मुख्य सचिव ने ई-वेस्ट रिसाइक्लर्स की तकनीकी व्यवस्थाओं और रिसाइक्लिंग प्रक्रिया का भी अवलोकन किया। वी. श्रीनिवास ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए आमजन, उद्योगों और संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी जरूरी है।

> ■ राजस्थान में 58,976 गतिविधियों से 7.58 लाख से अधिक लोग जुड़े

अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को सामान्य कचरे में फेंकने के बजाय अधिकृत संग्रहण केंद्रों और रिसाइक्लर्स तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आ ान किया।

अपर्णा अरोरा ने बताया कि एक नवंबर से शुरू हुए सप्ताह के तहत 5 नवंबर तक प्रदेश में 58,976 गतिविधियों के माध्यम से 7.58 लाख से अधिक लोगों को जोडा गया है। अभियान में करीब 27 विभागों की भागीदारी रही। राजस्थान इस आयोजन में देशभर में अग्रणी रहा है। सदस्य सचिव कपिल चंद्रवाल ने बताया कि सप्ताह के दौरान सतत जीवनशैली, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, संसाधन संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।तकनीकी सत्र में विशेषज्ञों ने ई-वेस्ट के संग्रहण, पृथक्करण, परिवहन, वैज्ञानिक रिसाइक्लिंग और संसाधनों के पुन: उपयोग पर चर्चा की। इस दौरान मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली और जिम्मेदार उपभोग की शपथ भी दिलाई गई। पर्यावरण सचिव शैलजा देवल, माइंस विभाग की विशिष्ट सचिव नम्रता वृष्णि ने भी विचार रखे। मुख्य पर्यावरण अभियंता प्रेमालाल ने धन्यवाद दिया।







